

राजस्थानतंगकरनेवालीमु
कदमेबाजी (ननवारण
)अनिननयम,2015
(2015काअनिननयमसंख्यां
क36)
[राज्यपालमहोदयकीअनुमन
तददनांक15 अक्टूबर, 2015
कोप्राप्तहुई]

उच्च यायालयमऔ
रउसकेअीनस्थ यायालयममऔतंगकरनेवा
लीनसलवल
रदांदिककाययवादहयांसंस्थतकरनेयाजा
रीरखनेकोननवाररतकरनेकेनलएअनिननय
म। यतः, उच्च यायालय मऔ र
उसके अीनस्थ यायालय मऔ
तंग करने वालीनसलवल र दांदिक
काययवादहयां संस्थत करने या
जारी रखने को ननवाररत दकया
जानासमीचीनहै;

भारतगणराज्यकेनियासठवऔवयर्मऔरा
जस्थानराज्यलविान-
मणिलिननमनलस्वतअनिननयमबनाताहै
ैः-

1. संसिप्त नाम, प्रसार र प्रारम्भ-
(1) इस अनिननयम का नाम राजस्थान
तंगकरनेवालीमुकदमेबाजी (ननवारण)अ
निननयम,2015है।

(2)
इसकाप्रसारसम्पूर्णयराजस्थानराज्यमऔहै
।

(3)यहऐसीतारीखकोप्रवृत्तहोगास्जसेरा
ज्यसरकार,
राजपत्रमऔअनिसूचनाद्वारा,ननयतकरे।

2.दकसीव्यलि कोतंगकरनेवालेमुकदमेबा
जकेूपपमऔीलतर्करना.-

(1)दकसीव्यलि कोतंगकरनेवालेमुकदमेबा
जकेूपपमऔीलतर्करनेकेनलए-

(क)महानिवक्ताद्वारा;या

(ख)उच्च यायालयकेरस्जस्सरजनरलद्वारा;या

(ग)उच्च यायालयकीअनुमनतसे,दकसीऐसेव्यलि द्वारा
,स्जसकेलवुद्ध दकसी
वेदनझाइलदकयाजासकेगा।

या नभन-नभनव्यलि यमकेलवुद्ध
यायालयउसव्यलि को,स्जसनेऐसीकाययवादहयांसंस्थ
तकीह,सुनवाईकाअवसरददयेजानेकेपश्चातयहील
तर्करसकेगादकवहव्यलि तंगकरनेवालामुकदमेबाजहै।

(3)जबउप-

िारा (1)केखणि (ख)या (ग)केअीनननददददक
सीभीव्यलि द्वाराे

वेदनझाइलदकयाजायेतोउसेवेदनपरमहानिव
क्ताकोभीसुनाजायेगा।

(4)उप-

िारा (1)केअीनझाइलदकयागयाेयायपीठद्वारासु
ना रलवननस् तदकयाजायेगा।

वेदनउच्च यायालयकीखणि

3.दकहींनसलवलयादांदिककाययवादहयमकोसंस्थ
तकरनेयाजारीरखनेकेनलएतंगकरनेवालेमुकदमेबा
जकेनलएयायालयकीअनुमनतकाे
तो यायालययहे

(क)उक्तव्यलि द्वाराउच्च यायालयमऔयाउच्च यायाल
यकेअीनस्थदकसी

(ख)उच्च यायालयमऔयाउच्च यायालयकेअीनस्थदक
सीअ्यू यायालय

(2) तंग करने वाले मुकदमेबाज केूप
प मऔ ोलर्त व्यलि के नलए ननमनलस्वत
मामलममऔअनुमनतप्राप्तकरनाे

वश्यकनहींहोगा:-

(क)जहांऐसाव्यलि अनुमनतप्राप्तकरनेकेप्रयोजनकेनल
एसमुनचत्

यायालयमऔयासमुनचत् यायािीशकेस
मिकाययवाहीसंस्थतकररहा है;

(ख)जहां,ऐसाव्यलि ,उसकेलवुद्ध
संस्थतदकयेगयेदकसीमामलेमऔ,स्वयंकी

प्रनतरिा

करनेकेनलएसमुनचतकाययवादहयांझाइल
करनेकायासमुनचत

काययवादहयांकरनेकाप्र
स्तावकरताहै;
(ग)जहां,समुनचत् यायालययास
मुनचत् यायांीशसेअनुमन
तप्राप्तकरनेके
पश्चातयऐसेव्यलि द्वारासं
स्थतकीगयीयाजारीरखीगयीद
कसी
काययवाही मऔ, उक्त
व्यलि समुनचत र काययवादहयां इाइल
करने का या
समुनचत
रकाययवादहयांकरनेकाप्रस्तावकरताहै।

(3)अनुमनततबतकप्रदाननहींकीजायेगी
,जबतकदकसमुनचत् यायालय,यायथास्थन
त,समुनचत् यायांीशकायहसमांिनन
हींहोजातादककाययवादहयां यायाल
यकीप्रदियाकादुदपयोगनहींह,
रतंगकरनेवालेमुकदमेबाजकेपूपमऔील
तर्व्यलि द्वारासंस्थतकीयाजारीरखीजानेकेन
लएप्रस्तालवतकाययवादहयमकेनलएप्रथम
ष् याे िारहै।

स्टीकरण.-इसिरा
रिरा 5मऔ,-

(क)"समुनचत् यायालययासमुनचत् याया
ीश"सेअनभप्रेतहै-

(i)तंगकरनेवालेमुकदमेबाजकेपूपम
औीलतर्व्यलि द्वाराउच्च यायालय

मऔइाइलकीजानेयाजारीरखीजानेकेनल
एप्रस्तालवतकाययवादहयमके

मामलेमऔ,उच्च यायालय;

(ii)तंगकरनेवालेमुकदमेबाजकेपूप
पमऔीलतर्व्यलि द्वाराउच्च

यायालयकेअनस्थ
दकसीअ्य यायालयमऔइाइलकीजानेया

जारीरखीजानेकेनलएप्रस्तालवतका
ययवादहयमकेमामलेमऔ,स्जलाएवं

सत्र यायांीश;
(ख)"दांदिककाययवादहयांसंस्थतकरनेयाजा
रीरखने"सेदकसीदंि यायालयके
समिपररवादइाइलकरकेअनभयोजनचाहनेकेन
लएकोईकाययवाहीप्रांभया
संस्थतकरनायाजारीरखनाअनभप्रेतहै;
(ग) नसलवल या दांदिक काययवादहयां
संस्थत करने या जारी रखने मऔ, भारत के
संलविन के अनुचिेद 22क के अीन
संस्थत की गयी या जारी रखी गयी
काययवादहयांसंस्मनलतनहींह,।
4.े देशकाप्रकाशन रसंसूचना.-
(1)िरा 3कीउप-िरा (1)केअीनदकयेगयेप्रत्येके

देशकीप्रनतराजपत्रमऔप्रकानशतकीजायेगी
रऐसीअ्यरीनतसेभीप्रकानशतकीजासकेगीजैसादकउ
च्च यायालयननदेशदे।

(2)उप-िरा (1)मऔननददष्टप्रत्येके
देश,उच्च यायालयकेअीनस्थसमस्त
यायालयमकोभीऐसीरीनतसेसंसूनचतदकयाजायेगाजैसा
दकउच्च यायालयननदेशदे।

5.समुनचत् यायालयकीअनुमनतकेलबनासंस्थ
तकीगयीयाजारीरखीगयीनसलवलयादांदिककाययवदह
यमकोखाररजदकयाजाना रअ्यपररणाम.-

(1)दकसीऐसेव्यलि द्वारा,स्जसकेलवुद्ध
अीनकाययवादहयांखाररजकरतेसमय, यायालयऐसेतं
गकरनेवालेमुकदमेबाजकोखचेसंदतकरनेकाननदेशभीदे
गा।

क.ननयमबनानेकीशलि.-उच्च
यायालयइसअनननयमकेउपबंिमको
दियास्वतदकयेजानेकेप्रयोजनकेनलएननयमबनासके
गा।

7.व्यावृलत्त.-

इसअनननयमकेउपबंि,दकसीअ्यलवनिमऔकेतंगक
रनेवालेअनभवचनम को काट ददये जाने
यालवनिकीप्रदियाकेदुदपयोग
कोननवाररतकरनेकोउपबंनितकरनेवालेउपबंिमयाऐ
सेउपबंिम,स्जनमऔदकसीनसलवलयादांदिककाययवा
हीकेसंस्थतदकयेजानेयाजारीरखेजानेकेनलएदक
सीअ्यप्रानिकारीकीदकसीभीपूपमऔ
सहमनत,मंजूरीयाअनुमोदनकीेअल्पीकरणमऔ।
वश्यकताहो,केअनतररक्तहमगे,नदकउनके

दीपकमाहेश्वरी
प्रमुखशासनसनचव।

